भाजपा ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का जयपुर में पुतला फूंका

प्रधानमंत्री को लेकर अय्यर द्वारा अमर्यादित भाषा के उपयोग पर जताई कड़ी नाराजगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए कथित बयान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखने को मिला। रविवार को जयपुर में कानोडिया कॉलेज के सामने गांधी सर्किल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मणिशंकर अय्यर का पुतला दहन किया और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दोपहर करीब 3:30 बजे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता गांधी सर्किल पर एकत्रित हुए और कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद, राहुल गांधी मुर्दाबाद मणिशंकर अय्यर मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते हुए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट किया।

इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री अजीत माढण, एकता अग्रवाल, नारायण मीना, अपूर्वा सिंह, भाजपा कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता स्टेफी चौहान, निमिषा गौड, जीएन पारीक, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को जयपुर में कानोडिया कॉलेज के सामने गांधी सर्किल पर कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का पुतला जलाया।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना पूरे देश का अपमान है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मणिशंकर अय्यर ने देश के प्रधानमंत्री का अपमान किया है और इसे देशवासी कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। जनता में इस बयान को लेकर गहरा आक्रोश है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का मान वैश्विक पटल पर लगातार बढ़ रहा है, दूसरी ओर मणिशंकर अय्यर जैसे नेता ओछी मानसिकता के साथ राजनीति कर रहे हैं, जो अत्यंत शर्मनाक है।

बगड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों से संबोधित करना न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाना है बल्कि यह देश के 140 करोड़ नागरिकों का भी अपमान है। कांग्रेस नेताओं की भाषा की मर्यादा पूरी तरह समाप्त हो चुकी है और वे अपने पद की गरिमा तक भूल चुके हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार हो रही चुनावी हार से बौखला गए हैं और इसी कारण इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस पार्टी का नेतृत्व राहुल गांधी जैसे नेता कर रहे हों, वहां से इस तरह की बयानबाजी होना अब कोई आश्चर्य की बात नहीं रह गई है। मणिशंकर अय्यर को सार्वजनिक रूप से देश के प्रधानमंत्री और देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

- **प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना पूरे देश का अपमान, जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे : बगड़ी**

भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस नेताओं की इस प्रकार की बयानबाजी जारी रहती है तो भाजपा कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में इसी तरह विरोध-प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मणिशंकर अय्यर मार्क्सवादी लोगों के हाथों की कठपूतली बनकर इस तरह के बयान जारी कर रहे है, यह बेहद ही शर्म की बात है। कांग्रेसी नेताओं के स्वयं के पास कहने को कुछ नहीं बचा तो वे मार्क्सवादी लोगों के इशारों पर बयानबाजी कर रहे है।

मुख्यमंत्री ने किया ''राजस्थान को जानें'' क्विज में भाग लेने का आव्हान

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के ऊर्जावान युवाओं और जागरूक नागरिकों का आव्हान करते हुए कहा है कि वे राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, कला और संस्कृति से रूबरू होने के लिए 'राजस्थान को जानें' क्विज में अधिकाधिक संख्या में भाग लें। साथ ही, 'विकसित राजस्थान-2047' के विजन के प्रतिभागी बनें।

शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया हैण्डल एक्स पर जानकारी पोस्ट करते हुए इस विशेष प्रश्नोत्तरी की शुरूआत की है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, आरकेसीएल एवं शिक्षा विभाग की सहभागिता से इस विशेष क्विज को तैयार किया गया है। इसमें 'राजस्थान को जानें' और 'विकसित राजस्थान-2047' के नाम से 2 सेक्शन बनाए गए हैं। 'राजस्थान को जानें' सैक्शन में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, भौगोलिक परिदृश्य, महापुरुषों के जीवन व त्याग, राज्य व केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, खेल प्रतिभाओं, विशेष पुरस्कारों सहित विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे गए हैं। साथ ही, 'विकसित राजस्थान-2047' सेक्शन में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक उत्थान, स्थानीय सरकार, शिक्षा, जल प्रबंधन, उद्योग, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सहित प्रदेश को सुदृढ़ और विकसित बनाने के विजन से संबंधित प्रश्न संधारित किए गए हैं।

प्रदेश के नागरिक और युवाओं को 15 से 19 मार्च तक आयोजित होने वाली इस क्विज में भाग लेने के लिए मोबाइल नम्बर व ओटीपी से रजिस्ट्रेशन करना होगा।

रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात क्विज शुरू होगी। प्रत्येक क्विज में 15 मिनट में 25 प्रश्न हल करने होंगे। क्विज के पश्चात उसे रिव्यू भी किया जा सकेगा। क्विज पूर्ण करने पर प्रतिभागियों द्वारा राजस्थान सरकार एवं राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरकेसीएल) की ओर से डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया जा सकेगा।

राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह अनूठी पहल की गई है, जिसमें युवाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में देखने को मिल रही है।

नौकरानी ने मालिक को लगाई लाखों रु. की चपत

सोने-चांदी के आभूषण समेत हजारों रुपए चुराए

जयपुर। जगतपुरा इलाके में घर में काम करने वाली शातिर नौकरानी अपने ही मालिक को चुना लगाकर वहां से लाखों रुपयों के सोने-चांदी के गहने और हजारों रुपयों की नकदी लेकर फरार हो गई।

चोरी की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने मालवीय नगर थाने पहुंच नौकरानी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर आरोपी महिला की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि जगतपुरा के पामकोर्ट कॉलोनी निवासी सोनिया उप्रेती (62) ने मामला दर्ज करवाया है की करीब एक महीने पहले उन्होंने घरेलू कामकाज के लिए उन्होने नौकरानी रखी थी। 19 फरवरी को उसे कुछ कपड़े व्यवस्थित करने के लिए दिए गए थे।

- **एक महीने पहले ही रखा था काम पर**

उन्हीं कपड़ों के बीच एक पाउच में करीब 65 हजार रुपए कैश और एक छोटी पोटली में 6-7 जोडी कानों के टॉप्स और सोने की दो चेन रखी हुई थी। इसके अलावा कपड़ों के नीचे उनके सोने के दो कंगन भी रखे हुए थे, जो अनजाने में उन्हीं कपड़ों के साथ चले गए। गत 21 फरवरी को नौकरानी खाटूश्यामजी मंदिर जाने का कहकर छुट्टी पर चली गई।

पीड़िता ने गहने व नकदी संभाली तो गायब मिली। नौकरानी से पूछताछ करने के बाद पीड़िता को उस पर शक हुआ तो नौकरानी को काम से हटा दिया। जिसके बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और घरेलू नौकरानी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर घरेलू नौकरानी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

दो साल से फरार शराब तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर। दूदू पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में 2 साल से फरार तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनो शराब तस्करों को बाड़मेर में दबिश देकर गिरफ्तार किया है। अवैध शराब तस्करी के मामले में पुलिस चार अन्य आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

जयपुर ग्रामीण एसपी राशि डोगरा ने बताया कि दूदू थाना पुलिस ने 28 फरवरी 2024 को कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से पंजाब निर्मित 7872 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की थी। जब्त शराब की कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई थी। इस मामले में दूदू थाने में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।पुलिस की कार्रवाई के दौरान ट्रक ड्राइवर, खलासी और अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस पहले ही आरोपी आशीफ अयुब, भंवराराम उर्फ पिंटू, मांगीलाल और प्रकाश ज्याणी को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि ट्रक ड्राइवर सत्यप्रकाश उर्फ सतीश और खलासी मनोहर लाल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे थे और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई थी।फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा और वृत्ताधिकारी दीपक खंडेलवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। विशेष टीम ने तकनीकी सहायत व मुखबिर की सूचना पर सत्यप्रकाश उर्फ सतीश (33) पुत्र भागीरथ, निवासी गोडा थाना सेडवा जिला बाड़मेर, और मनोहर लाल (28) पुत्र बाबूलाल, निवासी खारा डेर थाना सेडवा जिला बाड़मेर निवासी को दबोच लिया।

प्रशासक नियुक्त करने की मांग

जयपुर। कानोडिया गर्ल्स कॉलेज ट्रस्ट, जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित संस्थान को लेकर डॉ. अखिल शुक्ला (एडवोकेट) ने गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की है। डॉ. शुक्ला, जो आजीवन सीनेट सदस्य भी हैं, ने कहा कि ट्रस्ट के अंतर्गत कई महाविद्यालय संचालित होते हैं, जिनके भवनों का निर्माण और संचालन सरकारी अनुदान व राज्य सरकार द्वारा आवंटित निःशुल्क भूमि के कारण संभव हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में ट्रस्ट की कार्यकारिणी फर्जी तरीके से बनाई गई है तथा ट्रस्ट में राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े लोगों को बाहर करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही महाविद्यालयों के संचालन में सार्वजनिक धन के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं का भी आरोप लगाया गया है।

नई दिल्ली के बीकानेर हाऊस में सजा राजस्थान की कला, संस्कृति और परंपरा का महोत्सव

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में किया ''राजस्थान उत्सव 2026'' का शुभारंभ

नई दिल्ली (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित ''राजस्थान उत्सव 2026'' का रविवार को शुभारंभ किया। राष्ट्रीय राजधानी में 15 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाला यह उत्सव राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, लोकसंगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति, लोक परंपराएं और कला-संस्कृति हमारी गौरवशाली पहचान का आधार हैं। राज्य सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कियह उत्सव देश-विदेश के लोगों को राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मेले में राजीविका और ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी (रूडा) की तरफ से लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों और राजीविका से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने हस्तशिल्प उत्पादों, पारंपरिक वस्त्रों और कलात्मक कृतियों की सराहना करते हुए उनके अनुभव और कार्य प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने राजीविका दीदियों से स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों, उत्पादों की बिक्री और आजीविका के अवसरों के बारे में चर्चा कर उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वयंसहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने औरउत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम कर रही है।ऐसे आयोजन एसएचजी और शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि राजस्थान की पारंपरिक शिल्पकला और हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें संरक्षित और प्रोत्साहित करना हम सब की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाऊस में ''राजस्थान उत्सव 2026'' का शुभारंभ फीता काटकर किया।

- **15 से 25 मार्च तक दिखेगी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत**
- **मुख्यमंत्री ने शिल्पकारों और राजीविका दीदियों से आत्मीय संवाद कर बढ़ाया उत्साह, उत्पादों की भी सराहना की**

बीकानेर हाउस परिसर में शर्मा ने राजस्थानी फोटोग्राफी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया, जिसमें राजस्थान के लोकजीवन, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक परंपराओं को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में अलवर के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर प्रवीण प्रजापत ने पारंपरिक मटका भवाई नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, कलाकार विष्णु दत्त शर्मा द्वारा प्रस्तुत ''ब्रज के रंग'' के साथ ही मनमोहक मयूर नृत्य तथा फूलों की होली की रंगारंग प्रस्तुति ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, पी.पी. चौधरी, दामोदर अग्रवाल, मंजू शर्मा, चुन्नीलाल गरासिया, राजेन्द्र गहलोत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास,राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी, आवासीय आयुक्त नवीन जैन सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी,कलाकार, शिल्पकार और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

महाभारत की कथा को लोक गायन शैली में किया प्रस्तुत

जवाहर कला केन्द्र में पद्मश्री अवार्डी उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती और उनके समूह की प्रस्तुति

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केन्द्र में पद्मश्री अवार्ड से पुरस्कृत उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती और उनके समूह ने पंडून का कड़ा गायन की भव्य प्रस्तुति दी। उन्होंने महाभारत की कथा को लोक गायन शैली में प्रस्तुत किया।

मेवाती ने बगड़ बम-बम-बम लहरी गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद महाभारत के विभिन्न प्रसंग अपनी सुरीली आवाज़ में गायन कर, मिट्टी की खुशबु की अनुभूति करवाई। उन्होंने महाभारत के महत्वपूर्ण किरदारों जैसे युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव सहित पांडवों, द्रोपदी, दुर्योधन सहित कौरव और अन्य किरदारों के रोचक संवाद को लोक गायकी के साथ प्रस्तुत किया।

यह आयोजन राजस्थान दिवस समारोह-2026 के तहत कला-साहित्य एवं संस्कृति विभाग की ओर से शाम 6:30 बजे के अंतर्गत जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन सभागार में हुआ। यहां उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती एवं उनके समूह द्वारा पंडून का कड़ा गायन के साथ ही भपंग वादन भी किया। जिसमें भपंग की विभिन्न ध्वनियों ने खासा रोमांचित किया।

भपंग वादन की जुगलबंदी भी पेश की गई। साथ ही प्रसिद्ध लोक गीत ''दुनिया में हो रही है टर्र-टर्र'' को प्रस्तुत किया जिससे पर दर्शकों ने भी कलाकारों का गायन में साथ दिया। इस दौरान दर्शकों ने समय-समय पर तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कला- साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व उप सचिव एवं जवाहर कला केंद्र की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ.अनुराधा गोगिया तथा वहां उपस्थित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित उस्ताद अली तथा उस्ताद गनी की उपस्थिति में पद्मश्री अवार्ड से पुरस्कृत उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती का साफा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजेश आचार्य ने मंच संचालन किया पंडून का कड़ा गायन विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश भी डाला। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक रूप से पंडून का कड़ा गायन में 1800 से 2500 दोहों का गायन होता था, किन्तु अब इस शैली में लगभग 700 से 800 दोहे ही गाये जाते है।

जवाहर कला केन्द्र में पद्मश्री अवार्डी उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती और उनके समूह ने पंडून का कड़ा गायन की भव्य प्रस्तुति देते हुए महाभारत की कथा को लोक गायन शैली में प्रस्तुत किया।

ऊंटों की घटती संख्या पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

जयपुर (कासं)। हाईकोर्ट ने ऊंटों की घटती संख्या पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऊंटों की घटती संख्या को लेकर सरकार गंभीर नहीं है, अदालती आदेश के बावजूद पैरवी के लिए महाधिवक्ता नहीं आ रहे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सरकार 27 मार्च को ऊंटों की घटती संख्या और उसके संरक्षण के प्रयासों के बारे में स्थिति स्पष्ट करे।

न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी व न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने ऊंटों की घटती संख्या के बारे में स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जाहिर की कि कानून में संशोधन के बाद ऊंटों की संख्या में कमी आई है। न्यायमित्र अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि ऊंट लगातार घट रहे हैं। अदालती आदेश के बावजूद न तो महाधिवक्ता पैरवी के लिए आ रहे हैं और न ही इस ओर सरकार का ध्यान है। ऊंटों की पिछले कुछ साल से तो गणना ही नहीं हुई। कानून में सरकार ने कलक्टर को नोडल एजेंसी बना रखा है, ऐसे में कोई ऊंटों को बाहर चराने के लिए भी ले जाए तो अनुमति लेना मुश्किल है। वर्ष 2004 में प्रदेश में साढ़े सात लाख ऊंट थे। वर्ष 2015 में जब कानून बना तो ऊंटों की संख्या घटकर 3.26 लाख रह गई और इसके इसके चार साल बाद यह और घटकर 2.13 लाख रह गई। वर्ष 2021 में यह संख्या करीब डेढ़ लाख रह गई।

''जयपुर सोल्जराथॉन'' में 4500 से अधिक धावकों ने लगाई दौड़

जयपुर, (हि.स.)। जयपुर मिलिट्री स्टेशन स्थित गांडीव स्टेडियम में आयोजित ''जयपुर सोल्जराथॉन 2026'' दौड़ में 4500 से अधिक धावकों ने भाग लेकर फिटनेस और देशभक्ति का संदेश दिया। प्रतिभागियों में सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक, पेशेवर धावक, विद्यार्थी और आम नागरिक शामिल रहे, जिन्होंने पूरे जोश के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया।

जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) राजस्थान लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि वंडर सीमेंट जयपुर सोल्जराथॉन एक सशक्त नई पहल है, जिसका उद्देश्य फिटनेस, अनुशासन और सशस्त्र सेनाओं के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाना देना है। रन विद सोल्जर, रन फॉर सोल्जर के संदेश के साथ आयोजित इस दौड़ ने नागरिकों को व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए दौड़ने की प्रेरणा दी। इस पहल के माध्यम से फिट इंडिया के संकल्प को मजबूती मिली तथा से यस टू स्पोर्ट्स, नो टू ड्रग्स का संदेश भी व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। दौड़ को मिजोरम के राज्यपाल एवं सोल्जराथॉन के संरक्षक जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजींदर सिंह भी उपस्थित रहे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और सैन्य-नागरिक सौहार्द को सुदृढ़ करने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सोल्जराथॉन में 21 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी टाइम्ड रन, 5 किमी ट्रिब्यूट रन और 3 किमी फन रन जैसी विभिन्न श्रेणियां रखी गईं, जिससे सभी आयु वर्ग के लोगों को भाग लेने का अवसर मिला।

प्रतिभागियों ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन के सुंदर वातावरण में दौड़ का विशेष अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम को उत्सवमय बनाने के लिए ज़ुम्बा सत्र, पंजाबी ढोल और भांगड़ा प्रस्तुतियां, गतका मार्शल आर्ट प्रदर्शन, आर्मी बैंड की धुनें, फेस पेंटिंग गतिविधियां और इंटरैक्टिव फोटो बूथ जैसी आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। विभिन्न दौड़ श्रेणियों के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। 21 किमी हाफ मैराथन के विजेताओं को 10 हजार रुपये तथा 10 किमी दौड़ के विजेताओं को 5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। इसके साथ ही विभिन्न आयु वर्गों के उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से घायल सैनिकों के प्रति एकजुटता भी व्यक्त की गई। पैराप्लेगिक रिहैबिलिटेशन सेंटर के समर्थन से उन सैनिकों के अदम्य साहस को नमन किया गया, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान रीढ़ की गंभीर चोटें झेली हैं। आयोजन के सफल समापन के साथ सशस्त्र सेनाओं और नागरिकों के बीच फिटनेस, राष्ट्रीय एकता और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना और मजबूत हुई।